PPMN

राष्ट्रीय हिन्दी समाचार पत्र - राज्य सरकार से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

सहयोग आपका प्रयास हमारा

परिष्कार पत्रिका

प्रगति की ओर

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ

जयपुर सहित, किशनगढ़, अजमेर, नसीराबाद, ब्यावर, जोधपुर, बानसूर, अलवर, कोटपूतली, बहरोड़, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, कानोता, बस्सी, नीम का थाना, रींगस, सीकर, कोटा, शिवदासपुरा, भीलवाड़ा, अहमदाबाद, बीकानेर, दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, मध्यप्रदेश में प्रसारित

पोस्टल रजि. Jaipur City/ 240/ 2024-26 पाक्षिक (हिन्दी राष्ट्रीय) मूल्य 2 रूपए

विशेषांक

E-Mail : parishkarpatrika@gmail.com

वर्ष - 24 » अंक 8 » जयपुर: 23 नवम्बर 2025 से 7 दिसम्बर 2025 » RNI No : RAJHIN/2002/09810 »

जरूरी सूचना

यदि आपके पास परिष्कार पत्रिका डाक से आता है और हर माह की 10 व 25 तारीख को पाबंदी से नहीं आ रहा है, तो अपने पोस्टमास्टर या डाकिए से हमारी बात कराएं या सूचित करें। इसका निश्चित रूप से समाधान निकलेगा।

सम्पर्क करें 8764400196

उदयपुर को मिला बेस्ट वेडिंग डेस्टिनेशन अवार्ड-2025

आउटलुक ट्रैवलर अवाड्‌र्स 2025 में एक बार फिर चमका राजस्थान

ब्यूरो चीफ रविसिंह किरार (विवि)/ परिष्कार पत्रिका

उदयपुर। झीलों की नगरी उदयपुर ने वेडिंग टूरिज़्म में अपने महत्व को एक बार फिर साबित करते हुए आउटलुक ट्रैवलर अवॉर्ड्स 2025 में बेस्ट वेडिंग डेस्टिनेशन का खिताब हासिल किया। यह अवॉर्ड शनिवार को नई दिल्ली स्थित हयात रीजनसी में आयोजित भव्य समारोह में घोषित किया गया।

सिक्किम के पर्यटन एवं नागरिक उड्डयन मंत्री टीटी भूटिया द्वारा राजस्थान पर्यटन के अतिरिक्त निदेशक आनंद त्रिपाठी और संयुक्त निदेशक उदयपुर सुमिता सारोच को प्रदान किया गया। गौरतलब है कि डेस्टिनेशन वेडिंग श्रेणी में राजस्थान लगातार अग्रणी रहा है। महलों, झीलों और मेवाड़ी धरोहर की वजह से उदयपुर वर्षों से देश-विदेश के कपल्स की पहली पसंद बना हुआ है। हाल के वर्षों में उदयपुर एशिया ही नहीं बल्कि वैश्विक रैंकिंग में भी शीर्ष पांच गंतव्यों में शामिल रहा है। उपमुख्यमंत्री व पर्यटन मंत्री दिया कुमारी ने उदयपुर बेस्ट डेस्टिनेशन अवार्ड मिलने पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा कि डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए राजस्थान पहली पसंद रहा है। देश के लगभग 70 प्रतिशत हेरिटेज प्रॉपर्टीज यहां स्थित हैं।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश में उप राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का किया शुभारंभ बच्चों को पिलाई पोलिया प्रतिरक्षक दवा

प्रदेशभर में एक करोड़ से अधिक बच्चों को पिलाई जाएगी दवा, दो बूंद हर बार पोस्टर का विमोचन

ब्यूरो चीफ (विवि)/ परिष्कार पत्रिका

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर बच्चों को पोलियो प्रतिरक्षक दवा पिलाकर राज्यस्तरीय उप राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने इस अभियान के लिए जनसहभागिता का आह्वान करते हुए कहा कि सभी अभिभावक अपने 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो प्रतिरक्षक दवा अवश्य पिलाएं।

प्रदेशभर में 58 हजार 823 पोलियो बूथ - उल्लेखनीय है कि रविवार 23 नवम्बर को प्रदेशभर में पोलियो बूथों पर दवा पिलाने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। किसी कारणवश बूथ पर दवा पीने नहीं वाले बच्चों को अगले दो दिन स्वास्थ्यकर्मी घर-घर जाकर दवा पिलाएंगे। लगभग 1 करोड़ 8 लाख बच्चों को पोलियो दवा पिलाने के लिए सम्पूर्ण प्रदेश में 58 हजार 823 पोलियो बूथ स्थापित किए गए हैं। 6 हजार 741 ट्रांजिट टीमें और 8 हजार 989 मोबाइल टीम की व्यवस्था भी की गई है। शर्मा ने कहा इस अभियान में प्रदेशभर में जन्म से पांच वर्ष तक के बच्चों को पोलियो प्रतिरक्षक दवा पिलाई जाएगी। यह एक अभियान नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित भविष्य देने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि पोलियो ऐसा संक्रामक

रोग है जो बच्चे के जीवन के लिए घातक हो सकता है। दो बूंद दवा ही पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से रक्षा कर सकती है। मुख्यमंत्री ने इस दौरान दो बूंद हर बार पोलियो पर जीत रहे बरकरार पोस्टर का विमोचन भी किया। इस अवसर पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री ए राठौड़, बच्चों के अभिभावक सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

बिरसा मुंडा की 150वी जयंती पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन

ब्यूरो चीफ रविसिंह किरार (विवि)/ परिष्कार पत्रिका

जयपुर। हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय द्वारा बिरसा मुंडा की 150 वीं जयंती के उपलक्ष्य में निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

अंग्रेजी शासन के विरुद्ध संघर्ष में बिरसा मुंडा का योगदान विषय पर आयोजित निबंध प्रतियोगिता में लगभग बीस विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।

बाद में, इसी अवसर पर बिरसा मुंडा के जीवन और उनके संघर्षों पर प्रसार भारती द्वारा निर्मित डॉक्यूड्रामा फिल्म का भी प्रदर्शन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।

आत्मनिर्भर नारी, सशक्त समाज

राजीविका द्वारा जयपुर में महिला सशक्तिकरण संवाद का आयोजन

ब्यूरो चीफ (विवि)/ परिष्कार पत्रिका

जयपुर। राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद राजीविका द्वारा जयपुर के सांगानेर ब्लॉक में महिला सशक्तिकरण और आजीविका संवर्धन पर केंद्रित एक विशेष संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजीविका की स्टेट मिशन डायरेक्टर नेहा गिरि ने की। इस अवसर पर परियोजना निदेशक प्रीति सिंह ने महिलाओं द्वारा लगायी गयी स्टाल्स का अवलोकन किया। जिला परियोजना प्रबंधक, जयपुर द्वारा राज रसोई, नमो ड्रोन दीदी, सोलर दीदी, लखपति दीदी और विकास सीएलएफ में संचालित सेनेटरी पैड यूनिट जैसी प्रमुख पहलों का विवरण प्रस्तुत किया गया। बगरू प्रिंटए गौ कीर्ति के सहयोग से गोबर उत्पाद, लकड़ी पर शिल्पकारी, अक्षरधाम मंदिर के फूलों से अगरबत्ती निर्माण के माध्यम से थोक क्रय-विक्रय को सुदृढ़ करने पर चर्चा हुई। मिड-डे मील, अस्पताल कैंटीन, आंगनवाड़ी और छात्रावासों में उत्पादों की सीधी आपूर्ति जैसे बाजार-संबंधी उपायों पर भी विशेष रूप से विचार-विमर्श हुआ। जयपुर जिले में 2338 लखपति दीदियों की उपलब्धि को कार्यक्रम में रेखांकित किया गया।

मेले में उपस्थित महिलाओं-जिनमें ब्लू पॉटरी, बगरू प्रिंट, लकड़ी की पेंटिंग, गोबर मिश्रित पेपर कार्य, सेनेटरी नैपकिन यूनिट संचालन, तथा बीसी सखी मॉडल से जुड़ी महिला उद्यमी शामिल थीं। इन्होंने बताया कि अब वे स्वतंत्र रूप से उद्यम संचालित कर रही हैं और उनकी वार्षिक व मासिक आय में उल्लेखनीय वृद्धि के साथ लखपति दीदियों के रूप में उभर रही हैं, जिससे उनके परिवारों और समुदायों में सकारात्मक सामाजिक एवं आर्थिक

परिवर्तन आया है। अपने संबोधन में नेहा गिरी ने कहा कि महिलाएं ही राजीविका का वास्तविक स्वरूप हैं। अब हमें ऐसी कंपनियों की कल्पना करनी चाहिए जिनमें निदेशक और शेयरधारक स्वयं महिलाएं हों। उन्होंने डिजिटल साक्षरता, इंटरनेट उपयोग, बीमा कवरेज और वित्तीय प्रबंधन पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि सामाजिक स्तर पर सराहनीय परिवर्तन दिखाई दे रहे है, जहाँ महिलाएं बाहर कार्यरत हों तो उनके पति घर-परिवार की जिम्मेदारियों को साझा कर रहे हैं, जो सशक्तिकरण और समानता की दिशा में सकारात्मक बदलाव है। कार्यक्रम के अंत में स्टेट मिशन डायरेक्टर एवं टीम द्वारा सेनेटरी नैपकिन यूनिट तथा सीएलएफपरिसर का अवलोकन किया गया।

संसदयी कार्य मंत्री पटले ने जोधपुर में कडुम्बा नाडा विद्यालय के प्रवेश द्वार का किया लोकार्पण

डबल इंजन की सरकार किसान, मजदूर, युवा और महिलाओं के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध

ब्यूरो चीफ (विवि)/ परिष्कार पत्रिका

जोधपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार राज्य में किसान, मजदूर, युवा और महिलाओं के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। संसदीय कार्य मंत्री ने जोगाराम पटेल ने जोधपुर जिले की धवा पंचायत समिति के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कडुम्बा नाडा बड़ला नगर में भामाशाह द्वारा निर्मित प्रवेश द्वार का लोकार्पण करने के बाद यह कहा।

5 साल में देंगे 4 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी - पटेल ने कहा पूर्ववर्ती सरकार में पेपरलीक की घटनाओं से युवाओं के सपनों पर कुठाराघात हुआ लेकिन हमारी सरकार के कार्यकाल में एक भी पेपरलीक नहीं हुआ। मुख्यमंत्री रोजगार उत्सवों में लगभग 92 हजार युवाओं को सरकारी नौकरी के नियुक्ति पत्र प्रदान किए जा चुके हैं। 5 साल के इस कार्यकाल में हम 4 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी देंगे।

जनभागीदारी से शिक्षा का संकल्प हो रहा मजबूत - पटेल ने कहा ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाना सरकार की प्राथमिकता है और जनभागीदारी से शिक्षा का संकल्प मजबूत हो रहा है। उन्होंने विद्यालय का प्रवेश द्वार बनवाने वाले गौड़ परिवार की प्रशंसा करते हुए कहा कि विद्यालय के प्रवेश द्वार का निर्माण न केवल विद्यालय की पहचान को सुदृढ़ करेगा बल्कि विद्यार्थियों में भी आत्मविश्वास और गर्व की भावना उत्पन्न करेगा।

झंवर महाविद्यालय से युवाओं को मिलेंगे उच्च शिक्षा के बेहतर अवसर- पटेल ने कहा युवाओं को उच्च शिक्षा के बेहतर अवसर उपलब्ध करवाने के लिए

झंवर में महाविद्यालय खोला गया है। उन्होंने कहा हमारा संकल्प है कि लूणी क्षेत्र में बिजली, पानी, सड़क, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी आधारभूत सुविधाओं की समुचित पहुंच सुनिश्चित हो। जन भावना के अनुरूप कडुम्बा नाडा को ग्राम पंचायत बनाया गया है। पटेल ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, आवश्यकता केवल अवसर और संसाधन उपलब्ध करवाने की है। राज्य सरकार द्वारा शिक्षा को सुदृढ़ करने के लिए अनेक योजनाएं चलाई जा रही हैं जिनसे विद्यालयों की आधारभूत अवसंरचना का विकास सुनिश्चित हुआ है। कार्यक्रम में जिला परिषद सदस्य राजेन्द्र प्रसाद मेघवाल, बड़ला नगर प्रशासक शांति देवी, बालाराम, राकेश बिश्नोई, दुर्गाराम गौड़, महेन्द्र सिंह बेरू, जितेन्द्र सिंह भांडू, धवा पंचायत समिति विकास अधिकारी, ओमप्रकाश, झंवर तहसीलदार देवाराम व अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी व आमजन उपस्थित रहे।

हर दिन 150 महिला मरीजों की ओपीडी में सोनोग्राफी की महज दो मशीनें

अस्पताल में रेडियोलॉजिस्ट है ना आंखों के चिकित्सक

मुख्यमंत्री की महत्वाकांक्षी योजना मां वाउचर का सत्यानाश

ब्यूरो चीफ रविसिंह किरार/ परिष्कार पत्रिका

बगरू। बगरू के उप जिला अस्पताल में हर दिन 600-700 मरीजों का आउटडोर होने के बावजूद पर्याप्त चिकित्सक नहीं है। यहां तक कि हर दिन 150 से अधिक महिला मरीज होने के बावजूद महज एक दो सोनोग्राफी हो रही है। हालात यह है कि अस्पताल में सफाई कर्मचारी की व्यवस्था भी दुरूस्त नहीं है। परिसर के चारों तरफ संक्रमित कचरे के ढेर लगे हैं। सफाई कर्मचारी नहीं होने से पोस्टमार्टम भी समय पर नहीं हो पा रहे है और मानवता शर्मसार हो रही है। आवारा पशु दिनभर अस्पताल परिसर में आते जाते रहते हैं।

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व योजना की तर्ज पर शुरू की गई मुख्यमंत्री की महत्वाकांक्षी मां वाउचर योजना भी यहां दम तोड़ रही है। अस्पताल में प्रत्येक माह में तीन बार प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व योजना अभियान चलाया जाता है। महिला एवं प्रसूती रोग के तीन चिकित्सक होने के बावजूद सभी जरूरतमंद गर्भवती महिलाओं को वाउचर नहीं दिए जाते हैं। अस्पताल प्रभारी डॉ हरिनारायण बाजिया ने बताया कि अस्पताल में रेडियोलाजिस्ट का पद रिक्त चल रहा है। ऐसे में सोनोग्राफी मशीन होने के बावजूद उसका पूरा उपयोग नहीं लिया जा रहा है। पिछले दिनों स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ हेमंत मीणा और डॉ अनिता शर्मा को सोनोग्राफी का प्रशिक्षण दिलवाया गया था। लेकिन उसके बाद भी हालत नहीं सुधर पाए हैं। दोनों प्रशिक्षण प्राप्त चिकित्सक मरीजों को देखने में रुचि दिखाते और व्यस्त रहते हैं। सोनोग्राफी नहीं करने के मामले में कई बार नाराज मरीजों ने रोष जताते हुए लिखित शिकायत भी प्रभारी को दी, लेकिन स्थाई उपाय नहीं हो पाया। अस्पताल प्रभारी ने बताया कि अक्टूबर माह में करीब 50-55 सोनोग्राफी हुई है, जो गभर्वती महिलाओं की संख्या को देखते हुए नाकाफी साबित हो रही है। इसी तरह मां वाउचर योजना में 60-70 कूपन वितरित किए गए हैं।

अस्पताल में डेंटल, ऑर्थोपेडिक, ईएनटी, शिशुरोग, गायनी मेडिसन के विशेषज्ञ चिकित्सक हैं। हालांकि आंखों के चिकित्सक नहीं है। जबकि नेत्र रोग विशेषज्ञ का पद भी यहां रिक्त चल रहा है।

सफाई कर्मचारी नहीं तो पोस्टमार्टम नहीं

अस्पताल की व्यवस्थाएं लचर हो चुकी है। हालात इतने दुरूह हैं कि महज सफाई कर्मचारी के नहीं होने से पोस्टमार्टम तक टल रहे हैं। जानकारी के अनुसार भुगतान नहीं होने से सफाई कर्मचारी ने कार्य करने से इंकार कर दिया। ऐसे में पोस्टमार्टम ही टालना पड़ गया। गौरतलब है कि उपजिला अस्पताल परिसर में तो पोस्टमार्टम की व्यवस्थाएं तक नहीं है, जबकि यह क्षेत्र का सबसे बड़ा अस्पताल है। अस्पताल के पुराने परिसर में जर्जर और बदहाल पोस्टमार्टम कक्ष है। किसी शव के आने पर वहीं पोस्टमार्टम करना होता है। इसके लिए नए अस्पताल से एक चिकित्सक पुराने अस्पताल पहुंचता है, तब पोस्टमार्टम हो पाता है। यहां पूर्व में भी चुहों द्वारा एक शव की आंखे कुतरने का मामल सामने आ चुका है।

आशा सहयोगिनी की हठधर्मिता

अस्पताल में आशा सहयोगिनी की हठधर्मिता कुख्यात है। यह आशा सहयोगिनी अपने गांव-ढाणी से लाए मरीजों को उन्हीं चिकित्सक को दिखाना पसंद करती है जहां से इन्हें कमीशन अथवा अन्य लाभ प्राप्त होता है। अनेक मरीजों और परिजनों ने इस बारे में अस्पताल प्रभारी को शिकायत भी की है। पहले भी कई बार मुख्यमंत्री सम्पर्क पोर्टल पर इस तरह की शिकायतें की जा चुकी है, लेकिन अब तक इसका कोई प्रभाव अस्पताल में दिखाई नहीं दिया। अनेक मरीजों ने यहां तक कहा कि वह किसी अन्य चिकित्सक से परामर्श लेना चाहते हैं, लेकिन आशा सहयोगिनी द्वारा भ्रमित और मजबूर किए जाने पर वे उसी चिकित्सक के पास जाने को मजबूर है जहां आशा सहयोगिनी लेकर जाना चाहती है। इससे अन्य चिकित्सक का विकल्प होते हुए भी वह मजबूरी में फंस जाते हैं।

जनप्रतिनिधि के आदेश भी बेअसर

परिष्कार पत्रिका जयपुर।

अस्पताल में नियमित आने वाले मरीजों ने बताया कि उन्होंने पूर्ववर्ती सरकार के समय से ही जनप्रतिनिधियों को भी अस्पताल की परेशानी से अवगत कराया था, लेकिन कोई उपाय नहीं हो पाया। पूर्व विधायक गंगादेवी ने अस्पताल की व्यवस्थाएं दुरूस्त करने के लिए प्रभारी डॉ हरिनारायण बाजिया को कई बार कहा, लेकिन वे हालात सुधार नहीं पाए। इसी तरह वर्तमान विधायक कैलाश वर्मा से भी मरीजों ने कई बार गुहार लगाई, जिस पर उन्होंने प्रभारी डॉ बाजिया को निर्देशित किया, लेकिन हालात जस के तस रहे हैं। कैलाश वर्मा के अनुसार अस्पताल परिसर के पास जमीन का अलॉटमेंट हो गया है। मोर्चरी को वहां शिफ्ट करेंगे और अस्पताल परिसर में जो भी कमियां है उन्हें जल्द ही दुरस्त करेंगे।

अब तो मरीज यहां तक कहने लगे हैं कि अस्पताल प्रभारी की दोनों सरकारों में पैठ होने से उनकी शिकायते बेअसर हो गई है। कई बार सरपंच और अन्य जनप्रतिनिधि भी इस बारे में उच्चाधिकारियों को अवगत करवा चुके हैं, लेकिन रसूख के बल पर प्रभारी व्यवस्थाएं दुरूस्त नहीं कर टिके हुए हैं।

पाराशर चिल्ड्रन पैरेडाइज में मनाया बाल दिवस

ब्यूरो चीफ हेमलता किरार/ परिष्कार पत्रिका

जयपुर। पाराशर चिल्ड्रन पैराडाईज सीनियर सैकंडरी स्कूल जयपुर में चिल्ड्रनस-डे सेलिब्रेट किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के सभी बच्चों ने खूब एंजॉय किया।

विद्यालय के निदेशक रामलाल पाराशर ने सभी बच्चों को बाल दिवस के महत्व से अवगत कराया। बच्चों ने विभिन्न पेंटिंग्स के माध्यम से अपने सपनों को पेपर पर उकेरा। विद्यालय में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

बाल दिवस के इस कार्यक्रम में विद्यालय के निदेशक रामलाल पाराशर और प्रिंसिपल ने पंडित जवाहर लाल नेहरू की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजली दी। बच्चों ने केक काटकर बाल दिवस मनाया और मुंह मीठा किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभाओं से सभी को अवगत कराया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रिंसिपल ने सभी का आभार प्रकट कर बालदिवस की शुभकामनाएं दी और अल्पाहार वितरित किया।

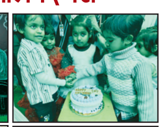

सेंट एंसलम्स पिंकसिटी विद्यालय जयपुर में वार्षिकोत्सव का आयोजन

Celebrates "Bridges of Life - Innocence to Inspiration" Annual Function with Grandeur

ब्यूरो चीफ निर्मला किरार/ परिष्कार पत्रिका

जयपुर। सेंट एंसलम्स पिंकसिटी स्कूल मालवीय नगर जयपुर में 14 नवंबर को 38वां वार्षिकोत्सव बहुत ही धूमधाम व उत्साह से मनाया गया। जो विद्यार्थियों में विविध कलाओं के प्रति रुझान, सीखने की इच्छा, स्वप्रतिभा को निखारते हुए एक श्रेष्ठ नागरिक बनने की ओर अग्रसर करने का सर्वश्रेष्ठ प्रयास था। इस अवसर पर जयपुर डायसिस के बिशप व ज्ञानदीप सोसायटी के अध्यक्ष जोसेफ कलारेकल, विशेषातिथि पूर्व बिशप ऑसवल्ड जे लुईस, विद्यालय के पूर्व प्रधानाचार्य फादर एडवर्ड ऑलीवीरा विकर जनरल, विद्यालय प्रधानाचार्य फादर पॉल पुलिकल, उप प्रधानाचार्य फादर सिबी, विद्यालय प्रबंधक फादर विशाल माडजा व अनेक गणमान्य अतिथि भी इस अवसर पर उपस्थित थे। विद्यालय प्रधानाचार्य फादर पॉल पुलिकल ने सभी अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया।

सभी अतिथियों ने कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस मौके पर सुन्दर हाव-भाव के साथ ईश्वर व प्रकृति के साथ तादात्म्य स्थापित करते हुए शास्त्रीय संगीत पर प्रार्थना नृत्य की प्रस्तुति की गई। तत्पश्चात स्वागत गीत द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया।

कार्यक्रम की थीम विषय-वस्तु जीवन के पुल - मासूमियत से प्रेरणा तक थी। जिसमें विद्यार्थियों ने अपनी शैक्षणिक जीवन यात्रा में अनेक कहे-अनकहे पुलों को पार करने के दृश्यों को दर्शाने हेतु नृत्य-नाटिका का मंचन किया। जिस पर आज चिंतन की बेहद जरूरत है। आज विद्यार्थी अपनी ही बनाई हुई एक ऐसी दुनिया में खो गया है एजिसने उसे हताशए उदास व दुविधाओं के जाल में जकड़ लिया है। सोशल मीडिया के जाल में फंसा उसका जीवन अनेक दुविधाओं का शिकार बन गया है, उनसे निकलने हेतु हर विषय के प्रति प्रेम, नवीन शिक्षा पद्धति में किये गये बदलावों से अपने जीवन को

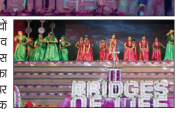

जीवन्त करने हेतु सुंदर भावों से परिपूर्ण, जोश, उमंग व उत्साह से लबरेज इस कलात्मक प्रस्तुति ने सभी का मन मोह लिया। इस अवसर पर एक भव्य रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम में एलकेजी से लेकर बारहवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों ने पूरे जोश, उत्साह व उल्लास द्वारा अनेक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। तत्पश्चात दृश्य. श्रव्य माध्यम से विद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। इस अवसर पर कक्षा दसवीं व बारहवीं में सर्वोत्तम अंक लाने वाले प्रतिभावान विद्यार्थियों को ट्रॉफी, नगद पुरस्कार व प्रमाण पत्र देकर व खेलों में राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने वाले छात्र-छात्राओं को ट्रॉफी व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। विशिष्ट अतिथियों ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। साथ ही उन्हें अपने लक्ष्य पर अनवरत दृढ़ता से बढ़ने का आशीर्वाद दिया व चुनौतियों का सामना करने की प्रेरणा दी। विद्यालय-अध्यापिका ट्विंकल लुकोस रोबिन द्वारा सभी अतिथियों व कार्यक्रम में सहायक लोगों के प्रति आभार प्रकट करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

सम्पादकीय

परिष्कार पत्रिका जयपुर। नवनिर्माण के लिए उपयुक्त विशेषताओं से संपन्न प्रतिभाओं की खोज इस समय का सबसे बड़ा और सबसे महत्वपूर्ण कार्य है। सामान्यों में से असामान्यों को ढूंढ निकालना कितना कठिन है, इसे वे ही लोग जानते है, जिन्हें इस प्रकार की ढूंए-खोज करनी पड़ती है। जौहरी के सामने एक ही शक्ल-सूरत के मिलते-जुलते अनेक प्रकार के पत्थर पड़े होते हैं। उनमे से उसकी सूक्ष्म दृष्टि ही सही मूल्यांकन करने में समर्थ होती है। एक का दाम पांच सौ और दूसरे का पचास हजार लगाने में एक सामान्य दर्शक आश्चर्य ही कर सकता है। समान आकार-प्रकार के टुकड़ों में इतना भेदभाव क्यो? इसका उत्तर जोहरी का वह अनुभव ही दे सकता है, जिसके आधार पर रत्नों की प्रकट नहीं अप्रकट सूक्ष्म विशेषताओं को जाना और तद्नुसार मूल्यांकन किया जाता है। इस खोज-बीन में शोधकर्ताओं की सूक्ष्म दृष्टि तो प्रधान होती ही है, पर उससे भी काम नहीं चलता। नुमान को प्रमाणित करने के लिए जांच-पड़ताल की कसौटी ही आमतौर से व्यवहार में आती है। बिना उसके कोई-कोई, कभी-कभी सही निष्कर्ष पर पहुंच पाते हैं, पर उन्हें भी आशंका का निवारण किन्ही परीक्षाओं के आधार पर ही करना होता है। समर्थ गुरू रामदास ने शिवाजी को ढूंढ निकाला था तो भी अपने अनुमान को प्रत्यक्ष परखने के लिए सिंहनी का दूध लाने का आदेश दिया और जब आदर्श के लिए उपयुक्त साहसिकता दिखाने की बात सिद्ध हो गई तो उसने उन्हें वह सब कुछ दिया, जो देना चाहिए था। देव शक्तियों ने अर्जुन का गांडीव देने और महाभारत जिताने की बात सोची, किंतु साथ ही उसकी पात्रता जांचने का भी निश्चय किया, अन्यथा कुपात्र को दिए गए अनुदान, ग्रहण करने वाले और देने वाले दोनों को ही संकट में फंसाते हे, कुपात्र भस्मासुर को वरदान देने वाले शिवजी किस प्रकार विपत्ति में फंसे थे और कितना त्रास सहना पड़ा था- वह सर्वविदित है। अर्जुन-उर्वशी प्रसंग की परीक्षा में जब अर्जुन का खरा पाया गया तो गांडीव का उपहार दे दिया गया। विश्वामित्र ने राम-लक्ष्मण को बला-अतिबला विद्या सिखाने पर भगवान की भूमिका निभा सकने की विशेषता से संभव पाया, फिर भी आदर्शों के प्रति जोखिम उठाने वाली साहसिकता की कसौटी पर उन्हें जांचने की आवश्यकता समझी गई और उसके लिए यज्ञ-रक्षा में सुबाहु, तड़का, मारीच से निपटने का कष्ट साध्य काम उनके कंधे पर डाल दिया गया। उत्तीर्ण हुए तो ऋषि आश्रम में भगवान बनकर ही लौटे। बालू-रेत में भी धातुकण होते हैं, उन्हें ढूंढने, जमा-करने की प्रक्रिया अपनाई जा सके तो सामान्य धूल भरी धातु-संपदा के संग्रह में सहायक हो सकती है- एक तरीका तो यह है। दूसरा यह है कि संग्रहित धातु-खदानों का पता लगाया जाए, मोती समुद्र के किसी क्षेत्र विशेष में पाए जाते है। उन्हें ढूंढ निकालने से भी गोताखोर का काम बहुत सरल हो जाता है। इसे पूर्व संचित संस्कारों की पूजी कहते हैं।

जय हिन्द। जय भारत।।

राज्य में नवीन पशु चिकित्सा एवं पशुविज्ञान महाविद्यालय खोलने के लिए पोर्टल के माध्यम से आवेदन मांगे

पशुपालन, गोपालन एवं देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने पोर्टल का शुभारंभ किया

ब्यूरो चीफ रविसिंह किरार (विवि)/ परिष्कार पत्रिका

जयपुर। राज्य के विभिन्न जिलों में नवीन पशु चिकित्सा एवं पशुविज्ञान महाविद्यालय खोलने के लिए निजी क्षेत्र की संस्थाओं से राजएनओसी पोर्टल के माध्यम से आवेदन मांगे गए हैं। पशुपालन, गोपालन एवं देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने इस पोर्टल का शुभारंभ किया। उन्होंने बताया कि आवेदन हेतु निजी क्षेत्र की संस्थायें, जो प्रदेश में नवीन पशु चिकित्सा एवं पशुविज्ञान महाविद्यालय की स्थापना करना चाहती हैं, वे राज्य सरकार से इस सम्बन्ध में अनापत्ति प्रमाण पत्र आवश्यकता प्रमाण पत्र जारी करवाने हेतु सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग के राज एनओसी पोर्टल की वेबसाईट https://rajnoc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध लिंक के माध्यम से दिनांक 21 नवंबर 2025 को प्रातः 10 बजे से दिनांक 28 नवंबर 2025 को सांय 5 बजे तक ऑन लाईन आवेदन कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के इस कदम से प्रदेश में पशु चिकित्सकों और अन्य तकनीकी कार्मिकों की कमी को आने वाले समय में पूरा करने में सहायता मिलेगी। इस अवसर पर विभाग के निदेशक डॉ आनंद सेजरा, अतिरिक्त निदेशक डॉ विकास शर्मा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

उल्लेखनीय है कि पूर्व में इस विभाग की समसंख्यक विज्ञप्ति 4 अप्रेल 2025 के क्रम में राजएनओसी पोर्टल पर आवेदन प्रस्तुत करने वाले संस्थान भी अपने ऑन लाईन आवेदन में राज्य सरकार द्वारा गठित आवेदन स्क्रूटनी समितियों द्वारा परीक्षण उपरान्त दर्शायी गई त्रुटियों का अवलोकन कर तदनुरूप आवश्यक संशोधन इस अवधि के दौरान कर सकते हैं। नवीन आवेदन तथा पूर्ववर्ती आवेदन में संशोधन करने हेतु विस्तृत जानकारी राजएनओसी पोर्टल की वेबसाईटhttps://rajnoc.rajasthan.gov.in तथा पशुपालनविभाग की वेबसाईट www.animalhusbandry.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

पढ़े लिखे बेरोजगार लोग एक बात गांठ बांध ले

परिष्कार पत्रिका जयपुर।
6 महीने में आप बाइक मैकेनिक बन सकते हैं।
6 महीने में आप दर्जी का काम सीख सकते हैं।
6 महीने में आप मोबाइल रिपेयरिंग का कार्य सीख सकते हैं।
6 महीने में घर की चुनाई का काम सीख सकते हैं।
6 महीने में आप बाल कटिंग का कार्य सीख सकते हैं।
6 महीने में आप वीडियो बनाकर यूट्यूबर बन सकते हैं।
6 महीने में आप मछली पालन का कार्य सीख सकते हैं। सोचना आपको है।

सहायक आचार्य संस्कृत विभाग प्रतियोगिता परीक्षा-2024

साक्षात्कार हेतु सफल साहित्य विषय के अभ्यर्थियो की सूची जारी

ब्यूरो चीफ रविसिंह किरार (विवि)/ परिष्कार पत्रिका

जयपुर। आरपीएससी ने सहायक आचार्य संस्कृत शिक्षा विभाग प्रतियोगी परीक्षा-2024 के अंतर्गत साक्षात्कार हेतु अस्थाई रूप से सफल साहित्य विषय के अभ्यर्थियों की सूची जारी की है। आयोग सचिव ने बताया कि उक्त विषय के प्रश्न पत्र-प्रथम और द्वितीय की परीक्षा 10 सितंबर तथा प्रश्न पत्र-तृतीय की परीक्षा 8 सितंबर को आयोजित की गई थी।

परीक्षा के परिणामस्वरूप एवं राजस्थान उच्च न्यायालय, जयपुर द्वारा 3 जुलाई को सिविल रिट याचिका संख्या 4637/ 2025 में पारित अंतरिम आदेश की पालना में परिणाम जारी किया गया है। इसमें संबंधित सेवा नियमानुसार न्यूनतम उत्तीर्णांक प्राप्त कुल 36 अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के लिए पूर्णतः अस्थायी रूप से सफल घोषित किया गया है। साक्षात्कार के लिए सफल घोषित किए गए अभ्यर्थियों को आयोग की वेबसाइट से विस्तृत आवेदन पत्र डाउनलोड करकेए उसे दो प्रतियों में भरकर, सभी आवश्यक प्रमाण-पत्रों की फोटोकॉपी के साथ 6 दिसंबर तक आयोग कार्यालय में जमा करना होगा।

अभ्यर्थियों की पात्रता जांच विज्ञापन की शर्तों के अनुसार किए जाने पर पात्र पाए गए अभ्यर्थियों को ही साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा। साक्षात्कार की तिथि के संबंध में यथासमय सूचित कर दिया जाएगा।

भारत में अमेरिका के बाद सर्वाधिक डोमेस्टिक पर्यटन संभावनाएं

महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय द्वारा पश्चिमी राजस्थान में पर्यटन की पुनर्कल्पना विषयक संगोष्ठी आयोजित

देश के पर्यटन नक्शे पर राजस्थान मजबूत : गजेन्द्र सिंह शेखावत, केंद्रीय कला एवं पर्यटन मंत्री

ब्यूरो चीफ (विवि)/ परिष्कार पत्रिका

बीकानेर। केंद्रीय पर्यटन एवं कला मंत्री गजेंद्रसिंह शेखावत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्रमोदी के नेतृत्व में देश में पर्यटन स्थलों पर पर सुविधाएं बढ़ाने के साथ इनमें कनेक्टिविटी बढ़ाने की दिशा में भी सुनियोजित तरीके से प्रयास किए जा रहे हैं। केंद्रीय मंत्री शेखावत रविवार को महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर के वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग द्वारा विकसित भारत विकसित राजस्थान/2047 के संदर्भ में पश्चिमी राजस्थान में पर्यटन की पुनर्कल्पना विषयक संगोष्ठी को मुख्य अतिथि के तौर पर संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में शिवबाड़ी महंत स्वामी विमर्शानन्द तथा बीकानेर पश्चिम विधायक जेठानंद व्यास अतिथि के रूप में मौजूद रहे। केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि वैश्विक परिदृश्य पर दुनिया के देशों में जीडीपी की 10 प्रतिशत से ज्यादा भागीदारी पर्यटन क्षेत्र की है। भारत में यह भागीदारी 5.5 प्रतिशत है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में योजनाबद्ध और चरणबद्ध तरीके से प्रयास करते हुए इसे विश्व जीडीपी के औसत पर लाने की दिशा में काम किया जा रहा है। इसके लिए पॉलिसी निर्धारण और क्रियान्वयन किया जा रहा है। शेखावत ने कहा कि देश की पर्यटन जीडीपी में राजस्थान का हिस्सा अन्य प्रदेशों की तुलना में अधिक है। यहां जैसी संभावनाएं और विविधताएं हैं, इनके मध्यनजर यहां अनेक अवसर मौजूद हैं। भारत में अमेरिका के बाद डॉमेस्टिक टूरिज्म की सर्वाधिक संभावनाएं हैं। गत वर्ष अयोध्या के राम मंदिर में 8 करोड़ तथा उज्जैन के महाकाल मंदिर में 7.5 करोड़ लोग पहुंचे। गत महाकुंभ में 45 दिनों में 66 करोड़ लोगों का पहुंचना इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कोविड के बाद हमारा देश पर्यटन की दृष्टि से टॉप रिवाइवल देश में है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में रेल, सड़क और वायु मार्ग में सुविधाओं का विस्तार हुआ है। धार्मिक एवं अन्य पर्यटन स्थलों पर 5 हजार करोड़ रुपए निवेश किए गए हैं। नए पुराने पर्यटक स्थलों को नया रूप देने तथा नए स्थल विकसित करने के पर गत वर्ष 3300 करोड रुपए खर्च किए गए हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि देश में 50 नए आईकॉनिक पर्यटन स्थल तैयार किया जा रहे हैं। इन्हें विश्व स्तर के केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। प्रत्येक राज्य में काम से कम एक पर्यटक स्थल इसी तर्ज पर विकसित हो रहा है। उन्होंने राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश में तैयार पर्यटन नीति तथा पर्यटकों के लिए किया जा रहे नवाचारों की सराहना की।

मुख्य सचिव ने प्रवासी राजस्थान दिवस-2025 की तैयारियों की व्यापक समीक्षा की

10 दिसम्बर को जेईसीसी में होने वाले प्रथम प्रवासी राजस्थान दिवस हेतु विभागों को समयबद्ध एवं उच्च स्तरीय व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश

ब्यूरो चीफ (विवि)/ परिष्कार पत्रिका

जयपुर। मुख्य सचिव वी श्रीनिवास ने प्रवासी राजस्थानी दिवस-2025 की तैयारियों को लेकर सचिवालय में आयोजित उच्च-स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की और सम्बंधित अधिकारियों को सभी तैयारियां समय पर पूर्ण गुणवत्ता के साथ करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा घोषित प्रवासी राजस्थानी दिवस का पहला आयोजन 10 दिसम्बर, 2025 को जेईसीसी जयपुर में प्रस्तावित है और यह कार्यक्रम समूचे विश्व में बसे प्रवासी राजस्थानियों को राज्य के विकास से जोड़ने का एक महत्वपूर्ण मंच बनेगा। बैठक में बताया गया कि इस अवसर पर लगभग 4500 प्रतिभागियों के आने की संभावना है, जिनमें प्रवासी राजस्थानी, उद्योगपति, केन्द्र और राज्य सरकार के वरिष्ठ प्रतिनिधि शामिल होंगे। उद्घाटन सत्र में आरआर-जीआईएस 2024 में प्राप्त एमओयूज़ के आधार पर तैयार कॉफी टेबल बुक का लोकार्पण किया जाएगा, जिसमें लगभग 1500 परियोजनाओं को शामिल किया जाएगा। इस कार्यक्रम में प्रवासी राजस्थानी सम्मान पुरस्कार भी दिए जाएंगे।

इसी सत्र में राज्य सरकार की 13 नई नीतियों जैसे, ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर पॉलिसी, एनआरआर पॉलिसी, कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण नीति, एआई-एमएल पॉलिसी, इंडस्ट्रियल पॉलिसी, नई पर्यटन नीति, स्पोर्ट्स पॉलिसी, ग्रीन ग्रोथ क्रेडिट पॉलिसीए ट्री आउटसाइड फारेस्ट एंड एग्रो फॉरेस्ट्री पॉलिसी, राजस्थान ट्रेड प्रमोशन पॉलिसी, टेक्निकल स्किल पॉलिसी, सेमीकंडक्टर पॉलिसी तथा एयरो स्पेस एंड डिफेन्स पॉलिसी लॉच होगी।

मुख्य सचिव ने सभी आठ सेक्टोरल सत्रों की तैयारियों की भी विस्तार से समीक्षा की। एनआरआर सत्र में वैश्विक प्रवासी समुदाय की भूमिका, निवेश और उद्यमिता के अवसर, विकसित राजस्थान-2047 के लिए प्रवासी युवाओं की भूमिका जैसे विषयों पर चर्चाएँ प्रस्तावित हैं। शिक्षा सत्र में बिट्स पिलानी, आईआईएमउदयपुर, आईआईटी जोधपुर, एमिटी आदि विश्वविद्यालयों के विशेषज्ञ नवाचार, कौशल-विकास और गुणवत्ता शिक्षा की दिशा पर चर्चा करेंगे। पर्यटन सत्र में सतत् पर्यटन, डिजिटल सुविधा, होटल निवेश, वैश्विक कनेक्टिविटी और राजस्थान को एक प्रमुख पर्यटन गंतव्य के रूप में स्थापित करने के विषयों पर वरिष्ठ उद्योगपतियों और पर्यटन विशेषज्ञों द्वारा विचार रखे जाएंगे।

स्वास्थ्य सत्र में भविष्य की स्वास्थ्य सेवाओं, चिकित्सा अनुसंधान, क्लिनिकल इनोवेशन और प्रवासी चिकित्सकों की भागीदारी पर विभिन्न संस्थानों के वक्ता सुझाव देंगे। उद्योग सत्र में हिंदुस्तान जिंक, वेलस्पन, जेके सीमेंट, एयू स्माल फाइनेंस बैंक, बोरोसिल, टिटागढ़ रेल, श्रीसीमेंट, पिरामल तथा जेसीबी इंडिया सहित देश के प्रमुख उद्योग समूह भाग लेंगे। जल संसाधन सत्र में स्वच्छ पेयजल, अपशिष्ट जल पुनर्चक्रण, शहरी जल संरचना और जल जीवन मिशन से जुड़े विषयों पर प्रस्तुतियाँ दी जाएंगी।

बैठक में निमंत्रण, पंजीकरण और पुष्टिकरण की स्थिति पर भी चर्चा की गई। अब तक कुल 15,435 निमंत्रण भेजे जा चुके हैं, 3260 लोगों ने पंजीकरण कराया है। प्रवासी राजस्थानियों से संपर्क और फॉलो-अप के लिए 17-सदस्यीय कॉलिंग टीम तैनात की गई है। कुल 5775 बैज तैयार किए जा रहे हैं, जिनमें गेस्ट ऑफ ऑनर, विशेष आमंत्रित प्रतिनिधि, मीडिया, सरकारी अधिकारी, सेवा कर्मचारी, आयोजक और प्रोटोकॉल अधिकारियों की अलग-अलग श्रेणियाँ निर्धारित हैं।

मुख्य सचिव ने विभागवार तैयारियों की प्रगति पर भी विस्तृत समीक्षा की। उद्योग विभाग की ओर से बताया गया कि जेईसीसी का लेआउट और सेक्टरल सत्रों की संरचना अंतिम रूप में है। स्टेज सेटअप, लॉजिस्टिक्स, कंट्रोल रूम, ब्रांडिंग तथा कैंप ऑफिसेस की तैयारी प्रगति पर है। नगरीय विकास विभाग, जेडी, और जेएमसी द्वारा जेईसीसी के आसपास लैंडस्केपिंग, महत्वपूर्ण सड़कों का रख-रखाव, सौंदर्यकरण, प्रमुख भवनों की लाइटिंग, सार्वजनिक स्थानों की सफाई और आवश्यक साइनज लगाने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। जीएडी द्वारा राज्य अतिथियों के लिए होटल बुकिंग, वाहनों की उपलब्धता, एयरपोर्ट प्रोटोकॉल डेस्क और सरकारी गैस्ट हाउसों की व्यवस्था पूरी की जा रही है। गृह विभाग और पुलिस द्वारा वीवीआईपी आवागमन, ट्रैफिक प्रबंधनए पार्किंग व्यवस्था, वैकल्पिक मार्ग और सुरक्षा प्रोटोकॉल सुनिश्चित किया गया है। डीआईपीआर द्वारा मुख्य आयोजन हेतु मीडिया योजना, मीडिया रजिस्ट्रेशन, मीडियासेंटर और लॉजिस्टिक व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। डीओआईटी द्वारा स्थल पर हाई-स्पीड इंटरनेटए वीसी समर्थन और तकनीकी अधिकारियों की तैनाती की तैयारी जारी है।

मुख्य सचिव ने विभागों को निर्देश दिए कि सभी वक्ताओं और प्रतिभागियों के पंजीकरण को प्राथमिकता के साथ पूरा किया जाए। सभी विभाग 30 नवम्बर तक प्रगति पथ क्षेत्र और सेक्टोरल सत्रों के लिए अपनी उपलब्धियों पर आधारित संक्षिप्त ऑडियो-विजुअल उपलब्ध कराएं। केंद्र सरकार के मंत्रियों, अधिकारियों और प्रमुख वक्ताओं की पुष्टि तत्काल उद्योग विभाग को भेजी जाए। इसके साथ ही सभी विभाग कार्यक्रम से संबंधित सामग्री को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शेयर करते हुए आयोजन के व्यापक प्रचार-प्रसार में सक्रिय भूमिका निभाएँ। मुख्य सचिव ने कहा कि प्रवासी राजस्थानी दिवस राज्य की गरिमा और अंतरराष्ट्रीय पहचान से जुड़ा आयोजन है और सभी विभागों द्वारा उत्कृष्ट समन्वय एवं उच्च स्तर की तैयारियों से इसे सफल बनाया जाएगा। बैठक में उद्योग एवं वाणिज्य, पर्यटन, गृह, नगरीय विकास, जल संसाधन, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, योजना, डीओआईटी, डीआईपीआर, राजस्थान फाउंडेशन तथा अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

कविता

स्त्रियां, कुछ भी बर्बाद नहीं होने देती

परिष्कार पत्रिका

'स्त्रियाँ'ए कुछ भी बर्बाद
नही होने देतीं।
वो सहेजती हैं।
संभालती हैं।
ढकती हैं।
बाँधती हैं।
उम्मीद के आख़िरी छोर तक।
कभी तुरपाई कर के।
कभी टाँका लगा के।
कभी धूप दिखा के।
कभी हवा झला के।
कभी छाँटकर।
कभी बीनकर।
कभी तोड़कर।
कभी जोड़कर।
देखा होगा ना....
अपने ही घर में उन्हें
खाली डब्बे जोड़ते हुए।
बची थैलियाँ मोड़ते हुए।
बची रोटी शाम को खाते हुए।
दोपहर की थोड़ी सी सब्जी में
तड़का लगाते हुए।
दीवारों की सीलन
तस्वीरों से छुपाते हुए।
बचे हुए खाने से
अपनी थाली सजाते हुए।
फटे हुए कपड़े हों।
टूटा हुआ बटन हो।
पुराना अचार हो।
सीलन लगे बिस्किट,
चाहे पापड़ हों।
डिब्बे में पुरानी दाल हो।
गला हुआ फल हो।
मुरझाई हुई सब्जी हो।
या फिर
तकलीफ़ देता रिश्ता,
वो सहेजती हैं।
संभालती हैं।
ढकती हैं।
बाँधती हैं।
उम्मीद के आख़िरी छोर तक
इसलिए
आप अहमियत रखिये।
वो जिस दिन मुँह मोड़ेंगी
तुम ढूंढ नहीं पाओगे।
'मकान को घर बनाने वाली
रिक्तता उनसे पूछो जिन घर मे
नारी नहीं वो घर नहीं मकान
कहे जाते हैं'।

शीला देवी, जयपुर

देवनारायण आवासीय विद्यालय का हुआ शिलान्यास

केंद्रीय राज्य मंत्री भागरीथ चौधरी, बोर्ड अध्यक्ष भड़ाना एवं विधायक लांबा ने किया देवनारायण विद्यालय का भूमि पूजन

नसीराबाद को मिली 25 करोड़ की सौगात

ब्यूरो चीफ रविसिंह किरार (विवि)/ परिष्कार पत्रिका

जयपुर। नसीराबाद के दिलवाड़ी में 25 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित होने वाले राजकीय देवनारायण आवासीय विद्यालय भवन के निर्माण कार्य का भूमि पूजन एवं शिलान्यास समारोह पूर्ण विधि विधान से आयोजित हुआ। कार्यक्रम में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी, देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष ओमप्रकाश भड़ाना तथा नसीराबाद विधायक रामस्वरूप लांबा ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम की शुरुआत वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भूमि पूजन के साथ हुई। स्थानीय जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, ग्रामीणों एवं छात्र-छात्राओं की बड़ी संख्या ने उपस्थित होकर इस ऐतिहासिक क्षण का साक्षी बनने का गौरव प्राप्त किया।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की संवेदनशील एवं विकासोन्मुख नीति के तहत प्रदेश में शिक्षा के नए आयाम स्थापित हो रहे हैं। दिलवाड़ी में देवनारायण आवासीय विद्यालय का निर्माण क्षेत्र के विद्यार्थियों के भविष्य को नई उड़ान देगा।

उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ आवासीय सुविधा मिलने से ग्रामीण एवं वंचित वर्ग के प्रतिभावान विद्यार्थी बेहतर अवसरों का लाभ उठा सकेंगे। उन्होंने सुनिश्चित किया कि केंद्र व राज्य सरकार मिलकर शिक्षा क्षेत्र में तेजी से विकास कार्य करवाती रहेंगी। देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष ओमप्रकाश भड़ाना ने कहा कि 25 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित होने वाले विद्यालय भवन का भूमि पूजन पूरे नसीराबाद क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक दिन है। उन्होंने कहा कि देवनारायण बोर्ड सामाजिक उत्थान एवं शिक्षा के क्षेत्र में ठोस कार्य कर रहा है। यह विद्यालय विशेष रूप से छात्राओं के लिए वरदान सिद्ध होगा, क्योंकि उन्हें सुरक्षित, आधुनिक और प्रेरणादायी वातावरण में उत्कृष्ट शिक्षा उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार समाज के प्रत्येक वर्ग को समान शिक्षा अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। भड़ाना ने कहा कि नसीराबाद क्षेत्र विगत कई वर्षों से देवनारायण योजना के वास्तविक लाभ से वंचित रहा था। राज्य सरकार द्वारा उन्हें देवनारायण बोर्ड का अध्यक्ष बनाए जाने के बाद शिक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में योजना के तहत अभूतपूर्व कार्य संपादित हुए हैं। इसी क्रम में दिलवाड़ी में निर्मित होने वाला यह आवासीय विद्यालय क्षेत्र के हजारों विद्यार्थियों के लिए नए अवसरों के द्वार खोलेगा और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का मजबूत आधार बनेगा।

विधायक रामस्वरूप लांबा ने कहा कि नसीराबाद विधानसभा क्षेत्र में शिक्षा विकास को गति देने के लिए यह संस्थान महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि लंबे समय से क्षेत्र में ऐसे आवासीय विद्यालय की आवश्यकता महसूस की जा रही थी, जो अब पूरी हो रही है। उन्होंने इस महत्वपूर्ण सौगात के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं देवनारायण बोर्ड का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में अतिथियों ने विद्यालय के प्रस्तावित स्वरूपए सुविधाओं व भविष्य की शैक्षिक योजनाओं पर चर्चा की तथा इसे क्षेत्र की प्रगति में एक मील का पत्थर बताया। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि, विद्यार्थी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की संवेदनशील पहल

दुर्लभ बीमारियों से पीड़ी बच्चों के लिए वरदान बनी मुख्यमंत्री आयुष्मान बाल सम्बल योजना

लाख रुपये तक निःशुल्क उपचार का प्रावधान, 5 हजार रुपये प्रतिमाह की अतिरिक्त सहायता

ब्यूरो चीफ रविसिंह किरार (विवि)/ परिष्कार पत्रिका

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार वंचितों को वरीयता देते हुए अन्त्योदय के संकल्प को साकार रूप प्रदान कर रही है। इसी दिशा में मुख्यमंत्री शर्मा की पहल पर शुरू की गई मुख्यमंत्री आयुष्मान बाल सम्बल योजना दुर्लभ बीमारियों से पीड़ित बालक-बालिकाओं के लिए वरदान बनकर आई है। प्रदेश के ऐसे बच्चे जो दुर्लभ बीमारियों से ग्रसित होने के बाद आर्थिक अभाव में उपचार की उम्मीद छोड़ देते थेए उन्हें अब योजना के माध्यम से 50 लाख रुपये तक का निशुल्क इलाज एवं आर्थिक सहायता उपलब्ध कराए जाने का प्रावधान किया गया है।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की राष्ट्रीय नीति 2021 के तहत सूचीबद्ध बीमारी से पीड़ित 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों को समुचित इलाजए देखभाल एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाना इस योजना का प्रमुख उद्देश्य है। राज्य सरकार ने इन बच्चों के लिए आर्थिक सहायता की प्रक्रिया को सुगम, पारदर्शी और प्रभावी बनाया है।

निशुल्क इलाज के साथ 5 हजार रुपये प्रतिमाह की आर्थिक मदद - मुख्यमंत्री आयुष्मान बाल सम्बल योजना के अन्तर्गत दुर्लभ बीमारी से पीड़ित बालक या बालिका को 50 लाख रुपए तक का उपचार निःशुल्क उपलब्ध कराने का प्रावधान है। इसके अतिरिक्त इन्हें 5 हजार रुपए प्रतिमाह की आर्थिक सहायता राशि देय है।

पीड़ित 18 वर्ष से कम और प्रदेश का निवासी होना जरूरी - मुख्यमंत्री आयुष्मान बाल सम्बल योजना के तहत अनुदान प्राप्त करने की पात्रता के अनुसार पीड़ित बालक या बालिका की उम्र 18 वर्ष से कम होनी चाहिए। आवेदक राजस्थान राज्य का मूल निवासी हो अथवा तीन वर्ष से अधिक समय से राज्य में निवासरत होना चाहिए।

ऑनलाइन आवेदनए सहज प्रक्रिया - बालक या बालिका के दुर्लभ बीमारी से पीडित होने की स्थिति में पालनकर्ता द्वारा जनाधार नम्बर से ई-मित्र अथवा स्वयं की एसएसओ आईडी से बायोमेट्रिक या ओटीपी के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। प्राधिकृत चिकित्सा अधिकारी नोडल अधिकारी, एम्स जोधपुर एवं जेके लॉन अस्पताल, जयपुर द्वारा दुर्लभ बीमारी से पीड़ित होने का ऑनलाइन प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा।

अजमेर के ट्रांसपोर्ट सिस्टम में नए अध्याय की शुरूआत, मिलेगी 100 ई-बसों की सौगात

विधानसभा अध्यक्ष ने लिया डिपो निर्माण का जायजा, 15 करोड़ की लागत आएगी

तय समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ पूरा हो निर्माण : देवनानी

ब्यूरो चीफ (विवि)/ परिष्कार पत्रिका

अजमेर। अजमेर शहर सहित जिले में विश्वस्तरीय मानकों के अनुरूप प्रदूषण रहित ट्रांसपोर्ट सिस्टम के नए अध्याय की शुरूआत हो चुकी है। राज्य सरकार की बजट घोषणा के अनुरूप अजमेर शहर व जिले के लिए 100 नई ई-बसे शुरू की जाएगी। इसके लिए नौसर घाटी में ई-बस डिपो करीब 15 करोड़ की लागत से तैयार किया जा रहा है। यह ई-बसे अजमेर शहर सहित विभिन्न रूटों पर यात्रियों को प्रदूषण रहित सस्ती आवागमन सुविधा उपलब्ध कराएगी। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने प्रधानमंत्री ई-बस सेवा के अंतर्गत नौसर घाटी स्थित प्राइवेट बस स्टैंड पर प्रस्तावित बस डिपो निर्माण कार्यों का विस्तृत निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण प्रगतिए गुणवत्ता और समय सीमा का गंभीरता से अवलोकन करते हुए संबंधित अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसी को कार्यों को निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप तीव्र गति से पूरा करने के निर्देश दिए। राज्य सरकार ने बजट घोषणा में अजमेर के लिए 30 ई-बसो की घोषणा की थी। देवनानी ने प्रयास कर ई-बसो की स्वीकृति को 50, फिर इस स्वीकृति को 100 करवाया। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने डिपो के लिए स्वीकृत कार्यों में शामिल बहु मंज़िला प्रशासनिक ब्लॉक, स्टोर ब्लॉक, मेंटेनेंस ब्लॉक, वॉशिंग बे सहित जीएसएस, ओएचएसआर, ईटीपीए पार्किंग एवं 100 बसों के लिए चार्जिंग सुविधा के विकास की प्रगति की जानकारी ली। जीएसएस से जुड़े ट्रांसफॉर्मर, केबल और अन्य सामग्री की आपूर्ति एवं इंस्टालेशन की प्रक्रिया भी जारी है। देवनानी ने निगम अभियंताओं को सिविल वर्क इलेक्ट्रिकल पैनल निर्माण तथा 33 केवी एवं 11 केवी प्रसारण लाइन से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता पर समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्माण एजेंसी से पर्याप्त कार्मिक एवं संसाधन लगाने को कहा। इससे मार्च माह तक बस संचालन की सभी तैयारियाँ पूर्ण की जा सकेंगी। उन्होंने बसों की आपूर्ति समय-सीमा सुनिश्चित करने के लिए बस निर्माण कंपनियों से समन्वय बढ़ाने के निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्रस्तावित रूट चार्ट पर चर्चा करते हुए कहा कि रूट निर्धारण आमजन एवं जनप्रतिनिधियों से सुझाव लेकर ही अंतिम रूप दिया जाए। इससे शहर के अधिकतम हिस्से को ई-बस सेवा से जोड़ा जा सकेगा। देवनानी ने कहा कि बजट घोषणा के अनुरूप अजमेर को 100 इलेक्ट्रिक बसों की बड़ी सौगात मिलने जा रही है। इसके लिए नौसर स्थित प्राइवेट बस स्टैंड पर लगभग 12 से 20 करोड़ रुपये की लागत से आधुनिक बस डिपो का निर्माण किया जा रहा है। यहाँ पार्किंग, स्टोर, प्रशासनिक भवन सहित सभी आवश्यक सुविधाएँ विकसित की जा रही हैं। इस अवसर पर नगर निगम के अधिकारी उपस्थित रहे।

अंतर्राष्ट्रीय ख्याती प्राप्त टूर डी फ्रांस और टूर डी स्विस की तर्ज पर हुआ आयोजन

नौरंगदेसर में केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन मेघवाल ने हरी झंडी दिखाकर की शुरूआत

देश में पहली बार आयोजित हुई 200 किमी लंबी वेदांता टूर डी थार अंतरराष्ट्रीय साइक्लिंग रेस का आयोजन

पर्यावरण संरक्षण, कार्बन एमिशन, थार सस्टेनेबिलिटी, आरोग्य, खेल और पर्यटन विकास है मुख्य ध्येय फ्रांस, स्विजरलैंड, सिंगापुर समेत देश भर से अंतर्राष्ट्रीय साइकिलिस्टों ने लिया हिस्सा

एलिट 100 किमी में साहिल कुमार और स्वास्ति सिंह बने चैंपियन बीकानेर में होगा साइकिलिंग इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास : अर्जुनराम मेघवाल, केन्द्रीय कानून मंत्री

ब्यूरो चीफ रविसिंह किरार(विवि)/ परिष्कार पत्रिका

बीकानेर। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल की पहल पर देश में पहली बार 200 किमी लंबी वेदांता टूर डी थार अंतर्राष्ट्रीय साइक्लिंग रेस का आयोजन बीकानेर में किया गया। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने रविवार को नौरंगदेसर में साइक्लिंग रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा, खाजूवाला विधायक डॉ विश्वनाथ मेघवाल, डूंगरगढ़ विधायक ताराचंद सारस्वत, फ्रांस से आए पीयर गिरबॉड सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। साइक्लिंग रेस का आयोजन प्रधानमंत्री नरेंद्रमोदी के सांसद खेल महोत्सव 2025 के अंतर्गत जामनगर से अमृतसर भारतमाला एक्सप्रेस वे पर नौरंगदेसर में हुआ। एनएचएआई के सहयोग से नौरंगदेसर से देसलसर तक 50 किलोमीटर की दूरी में सड़क को दोनों साइड से ट्रैफिक फ्री रखा गया। साइकिल रेस का आयोजन युवा मामले और खेल मंत्रालय के फिट इंडियाए वेदांता, साइकिल फेडरेशन ऑफ इंडिया, एसबीआई, नेवली इंडिया, हल्दीराम ग्रुप इत्यादि के संयुक्त तत्वाधान में हुआ।

बीकानेर में साइकिलिंग इंफ्रास्ट्रक्चर का होगा विकास - इस अवसर पर केंद्रीय कानून मंत्री मेघवाल ने संबोधित करते हुए कहा कि 23 नवंबर का दिन बीकानेर के खेल के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाने वाला सिद्ध होने वाला है। हर साल इस साइक्लिंग रेस का आयोजन इसी स्थान पर होगा। इससे पर्यटन के क्षेत्र में बीकानेर का नाम ना केवल राष्ट्रीय बल्कि अंतरराष्ट्रीय मानचित्र पर भी चमकेगा। साथ ही कहा कि बीकानेर में आगामी बजट में बीकानेर में साइकिल इंफ्रास्ट्रक्चर को लेकर घोषणा होगी। उन्होने कहा कि इस साइक्लिंग रेस प्रतियोगिता का आयोजन जामनगर से अमृतसर भारतमाला एक्सप्रेस वे पर उसी स्थान पर हो रहा है जहां 8 जुलाई 2023 को प्रधानमंत्री के नौरंगदेसर आगमन पर बीकानेर के 100 साइकिलिस्टों ने उनकी अगवानी की और बरसात के बीच सभा स्थल तक प्रधानमंत्री के साथ चले। प्रधानमंत्री नरेन्द्रमोदी ने भी इस आयोजन को लेकर बधाई दी है।

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने कहा कि हमने टूर डी फ्रांस का नाम सुना था लेकिन केन्द्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने टूर दी थार की सौगात बीकानेर को दी है। ये पहला एडिशन है, उम्मीद करते हैं हर साल इसका आयोजन होगा और हर बार इससे भी बेहतर आयोजन थार के रेगिस्तान में होगा।

भारत में पहली बार हुआ 200 किमी लंबी अंतर्राष्ट्रीय साइकिल रेस का आयोजन - सीएफआई के वीएन सिंह ने बताया कि भारत में साइक्लिंग रेस का आयोजन नोएडा, चेन्नई, बैंगलोर, हैदराबाद, चंडीगढ़ इत्यादि जगहों पर होता है। जो 50-60 किलोमीटर तक ही आयोजित की जाती है। देश में पहली बार 200 किलोमीटर लंबी अंतर्राष्ट्रीय साइक्लिंग रेस का आयोजन हुआ है।

फ्रांस, स्विजरलैंड समेत देश भर से साइक्लिस्टों ने लिया हिस्सा- सिंह ने बताया कि साइक्लिंग रेस में फ्रांस, स्विजरलैंड, सिंगापुर समेत देश के विभिन्न राज्यों राजस्थान समेत जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाबख हरियाणा, उड़ीसा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार, झारखंड, गुजरात, गोआ, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, केरल, तेलंगाना, चंडीगढ़, दमन एवं दीव, दादरा एंड नगर हवेली के राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय साइकिलिस्टों ने हिस्सा लिया। हिस्सा लेने वालों में 16 वर्ष से लेकर 69 वर्ष आयु तक के प्रतिभागी शामिल थे।

एलिट और एमेच्योर दो कैटेगरी में 100 और 200 किमी लंबी हुई साइकिल रेस- सीएफआई के वीएन सिंह ने बताया कि यह साइक्लिंग रेस एलिट और एमेच्योर दो कैटेगरी में आयोजित हुई। एलिट कैटेगरी की साइकिल रेस 100 किमी और एमेच्योर 200 किमी आयोजित की गई। एलिट में टॉप 10 पुरूष और महिला खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया गया। वहीं एमेच्योर कैटेगरी में 100 और 200 किमी लंबी साइकिल रेस का आयोजन किया गया। एमेच्योर कैटेगरी में पुरुष और महिला दोनों के लिए 16-30 वर्ष, 31-45 वर्ष और 45 वर्ष से ज्यादा के तीन-तीन अलग अलग वर्ग बनाए गए। इसमें टॉप 03 को और अलग-अलग आयु वर्ग में भी टॉप थ्री को पुरस्कृत किया गया।

एलिट पुरूष वर्ग में ये रहे टॉप 10 खिलाड़ी - सीएफआई के वीएन सिंह ने बताया कि एलिट कैटेगरी में आयोजित 100 किमी साइक्लिंग रेस में पुरुष वर्ग में टॉप 10 खिलाड़ी क्रमश- साहिल कुमार, विश्वजीत सिंह, सचिन देसाई, मुकेश कुमार कस्वां, सूर्या थट्टू, वैंकप्पा केंगांलागुट्टी, अरशद फरीदी, चिराग सहगल, अदवैथ शंकर एसएस और कृष्णा नायाकोडी रहे।

एलिट महिला वर्ग में ये रहीं टॉप 10 खिलाड़ी - सिंह ने बताया कि एलिट कैटेगरी में आयोजित 100 किमी साइक्लिंग रेस में महिला वर्ग में टॉप 10 खिलाड़ी क्रमश - स्वास्ति सिंह, सौम्या अंतापुर, हर्षिता जाखड़, दानाम्मा, वैष्णवी गाभाने, सुहानी कुमारी, योगेश्वरी कदम, पारूल, आरती और कृष्णा चौधरी रहीं।

एमेच्योर 200 और 100 किमी में ये रहे टॉप थ्री - रेस डायरेक्टर राजेश गिरधर ने बताया कि एमेच्योर 200 किमी में अनूप कुमार और अर्पिताकेतन पंडिया चैंपियन बनें। वहीं पुरूष वर्ग में दूसरे और तीसरे स्थान पर मश संजीव शर्मा व बजरंग गोदारा रहे। वहीं महिला वर्ग में दूसरे स्थान पर रानी माहेश्वरी रहीं। 100 किमी में महिला वर्ग में टॉप थ्री क्रमश बरनाली महेला, सिद्धी वाफेलकर और अनामिका वर्मा और पुरूष वर्ग में टॉप थ्री हर्ष पंवार, विनय गोस्वामी, मलय गुप्ता रहे। वहीं 6-30 वर्ष, 31-45 वर्ष और 45 वर्ष से ज्यादा वर्ग में भी 100 और 200 किमी में टॉप थ्री घोषित किए गए।

पोते की मौत ने झकझोरा दादा हरसहाय यादव को

जन प्रतिनिधि हरसहाय यादव ने कमजोर और जरूरतमंदों की सेवा को ही धर्म मान लिया

ब्यूरो चीफ रविसिंह किरार / परिष्कार पत्रिका

जयपुर। सड़क दुर्घटना में पोते की मौत ने ऐसा झकझोरा की अब समाज के कमजोर और जरूरतमंदों की सेवा को ही धर्म मान लिया। अब जहां भी जरूरतमंद और असहाय व्यक्ति मिलता है, तन, मन, धन से उसकी सेवा में जुट जाते है। अजमेर रोड रामचंद्रपुरा निवासी हरसहाय यादव के जीवन में वर्ष 2024 पर होली का त्यौहार दुखों का पहाड़ लेकर आया। अजमेर रोड पर कमला नेहरू नगर की पुलिया के निर्माण के दौरान एक तिरछे रखे स्लैब से उनके पोते हिमांशु यादव की गाड़ी की दुर्घटना हो गई। हादसे में गंभीर चोटों की वजह से हिमांशु ने दम तोड़ दिया। युवा पौत्र की मौत ने बुजुर्ग दादा हरसहाय यादव को तोड़ दिया। पौत्र की यादों को जिंदा रखने के लिए उन्होंने संकल्प लिया कि किसी भी जरूरतमंद और असहाय व्यक्ति की सहायता करेंगे। इसके लिए यादुराज फाउंडेशन का गठन किया गया है।

कांग्रेस ओबीसी विभाग के अध्यक्ष हर सहाय यादव ने यदुराज फाउंडेशन के माध्यम से हाल ही सांगानेर ब्लॉक के ग्राम महापुरा में शानदार भवन बनाकर चिकित्सा विभाग के सुपुर्द कर दिया। कई लाख रुपए की लागत से बनाएं इस प्राथमिक चिकित्सा केंद्र का नाम अपने दिवंगत पौत्र हिमांशु के नाम रखा। चिकित्सा विभाग ने भी उनकी भावना को देखते हुए इसकी सहमति प्रदान की। अब यहां प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में मरीज परामर्श के लिए पहुंच रहे हैं। अस्पताल में सभी तरह की सुविधा मौजूद है।

सुलझे हुए जनप्रतिनिधि रहे हैं यादव

रामचंद्रपुर निवासी हरसहाय यादव संवेदनशील जनप्रतिनिधि के रूप में अपनी पहचान बनाए हुए हैं। विरासत में मिली राजनीति को गरिमामय तरीके से निभाने वाले यादव वर्ष 1983 में जयपुर डेयरी में बोर्ड ऑफ मेंबर चुने गए। इसके बाद वर्ष 2000 तक इसी भूमिका में रहे। इस दौरान पशुपालकों तथा किसानों के हित में फैसला लेते रहे। वर्ष 1988 से 2000 तक महापुरा ग्राम पंचायत के सरपंच रहे। इस दौरान ग्राम पंचायत में अनेक विकास कार्य कर इसे जयपुर की अग्रणी ग्राम पंचायत की श्रेणी में ला खड़ा किया। वर्ष 2005 से 2010 तक प्रधान पद पर रहे। इस दौरान क्षेत्र में जो विकास कार्य करवाए, उनकी चर्चा अब तक ग्रामवासी करते हैं। वर्तमान में राजस्थान प्रदेश कांग्रेस में ओबीसी विभाग के अध्यक्ष है। ओबीसी प्रकोष्ठ के सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को साथ लेकर चलने वाले हरसहाय यादव राज्य के सभी राजनेताओं की पसंद बने हुए हैं।

सुलझे हुए जनप्रतिनिधि रहे हैं यादव

रामचंद्रपुर निवासी हरसहाय यादव संवेदनशील जनप्रतिनिधि के रूप में अपनी पहचान बनाए हुए हैं। विरासत में मिली राजनीति को गरिमामय तरीके से निभाने वाले यादव वर्ष 1983 में जयपुर डेयरी में बोर्ड ऑफ मेंबर चुने गए। इसके बाद वर्ष 2000 तक इसी भूमिका में रहे। इस दौरान पशुपालकों तथा किसानों के हित में फैसला लेते रहे। वर्ष 1988 से 2000 तक महापुरा ग्राम पंचायत के सरपंच रहे। इस दौरान ग्राम पंचायत में अनेक विकास कार्य कर इसे जयपुर की अग्रणी ग्राम पंचायत की श्रेणी में ला खड़ा किया। वर्ष 2005 से 2010 तक प्रधान पद पर रहे। इस दौरान क्षेत्र में जो विकास कार्य करवाए, उनकी चर्चा अब तक ग्रामवासी करते हैं। वर्तमान में राजस्थान प्रदेश कांग्रेस में ओबीसी विभाग के अध्यक्ष है। ओबीसी प्रकोष्ठ के सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को साथ लेकर चलने वाले हरसहाय यादव राज्य के सभी राजनेताओं की पसंद बने हुए हैं।

ओटीएसचौराह से फ्लाईओवर भास्कर पुलिया के नीचे से ओझाजीका बाग गांधी नगर मोड़ तक सड़क सीमा को कराया अतिक्रमण मुक्त

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर

दो स्थानों से सरकारी भूमि को कराया अतिक्रमण मुक्त

ब्यूरो चीफ रविसिंह किरार (विवि)/ परिष्कार पत्रिका

जयपुर। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा जोन-2 में आकेड़ा डूंगर में जेडीए स्वामित्व की करीब 1.5 बीघा बेशकीमती सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त करवाया। जोन-10 में ईकोलोजिकल जोन में जेडीए स्वामित्व की बेशकीमती सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। जोन-01 में नगर निगम के साथ सामूहिक अभियान के तहत ओटीएस चौराहा से फ्लाई ओवर भास्कर पुलिया के नीचे से ओझाजी का बाग से गांधीनगर मोड़ टोंक रोड़ तक दोनो तरफ रोड़ सीमा को अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। जोन-13 में गैर अनुमोदित योजना जगदम्बा विहार विस्तार के भूखण्ड संख्या 38 में जेडीए की बिना अनुमति एवं स्वीकृति के बने 02 मंजिला अवैध निर्माण की पुख्ता सीलिंग की कार्यवाही की गई। उप महानिरीक्षक पुलिस, राहुल कोटोकी ने बताया कि जोन-02 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम आकेड़ा डूंगर, तहसील आमेर, जिला जयपुर के खसरा नं 1006 मुख्य रोड़ के पास में जेडीए स्वामित्व की करीब 1.5 बीघा बेशकीमती सरकारी भूमि पर अतिक्रमण कर पत्थर पट्टियों की टाल, बांस तम्बूकी झुग्गी-झोपडी, काउण्टर, कुर्सियां इत्यादि लगाकर अतिक्रमण किये जाने की सूचना प्राप्त होने पर किये गये अतिक्रमणों को उप महानिरीक्षक राहुल कोटोकी के निर्देशन में प्रवर्तन अधिकारी जोन-02 की मौजूदगी में जोन-02 के राजस्व, तकनीकी स्टॉफ पटवारी की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त कर हटवाया जाकर बेशकीमती सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। उक्त अतिक्रमण मुक्त भूमि की अनुमानित कीमती करीब 08 करोड़ रूपये है।

जोन-10 के क्षेत्राधिकार ईकोलोजिकल जोन में अवस्थित जामडोली, देवी रतन होटल के सामने, जिला जयपुर के खसरा नं[504/2 में जेडीए स्वामित्व की बेशकीमती सरकारी भूमि पर अतिक्रमण कर बनाई गई बाउण्ड्रीवाल, कोठरी, नींव का निर्माण कर अतिक्रमण किये जाने की सूचना प्राप्त होने पर किये गये अतिक्रमणों को उप महानिरीक्षक राहुल कोटोकी के निर्देशन में जोन-10 के राजस्व, तकनीकी स्टॉफ पटवारी की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त कर हटवाया, बेशकीमती सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त करवाया गया।

जोन-01 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ओटीएस चौराहा से फ्लाई ओवर भास्कर पुलिया के नीचे से ओझाजी का बाग से गांधीनगर मोड़ टोंक रोड़ तक दोनो तरफरोड़ सीमा पर करीब 110 स्थानों पर अत्याधिक लम्बाई में बने चबूतरे, बाउण्ड्रीवाल, लगाये गये लोहे के ऐंगल, टीनशेड, थडियां, ठेले, होर्डिंग, साईन बोर्ड इत्यादि लगाकर किये गये अतिक्रमणों को नगर निगम के साथ सामुहिक अभियान के तहत उप महानिरीक्षक राहुल कोटोकी के निर्देशन में जोन-01 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफकी निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से हटवाया जाकर रोड़ सीमा को अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। नगर निगम के जाप्तें के द्वारा 03 ट्रक ट्रोली भरकर सामान जप्त किया गया।

चलो आगे बढ़ो राजस्थान, जीत लो सारा हिन्दुस्तान

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राजस्थान करेगा खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स-2025 की मेजबानी

खम्मा और घणी करेंगे देशभर के खिलाड़ियों का स्वागत

24 नवम्बर से होगा 24 खेलों का आगाज

7 शहरों में 7 हजार से ज्यादा प्रतिभागी होंगे शामिल

ब्यूरो चीफ (विवि)/ परिष्कार पत्रिका

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान 24 नवम्बर से 5 दिसंबर तक खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स केआईयूजी के 5वें संस्करण की मेजबानी करने जा रहा है। प्रदेश में पहली बार आयोजित होने जा रहे केआईयूजी को भव्य, ऐतिहासिक और सफल बनाने के लिए शर्मा के निर्देशन में जोर-शोर से तैयारियां की जा रही हैं।

राजस्थान में जयपुर, अजमेर, भरतपुर, कोटा, उदयपुर, जोधपुर और बीकानेर में देशभर के युवा खिलाड़ी विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे जिससे स्पोर्ट्समैनशिप का अद्भुत संगम देखने का मिलेगा। केआईयूजी में कुल 24 खेलों में 23 पदक विजेता खेल और एक प्रदर्शन खेल शामिल है। एथलेटिक्स, बैडमिंटन, बास्केटबॉल, हॉकी, तैराकी, टेनिस, फुटबॉल, तीरंदाजी, शूटिंग, मल्लखम्भ, साइकिलिंग, रग्बी, जूडो, बीच वॉलीबॉल, केनोइंग और कयाकिंग, कबड्डी, भारोत्तोलन, टेबल टेनिस, योगासन, तलवारबाजी, वॉलीबॉल, बॉक्सिंग और कुश्ती में पदक जीतने के लिए युवा खिलाड़ी दमखम दिखाएंगे। वहीं, खो-खो खेल का आयोजन एक प्रदर्शन मैच के रूप में होगा।

जयपुर में 24 नवम्बर से 5 दिसम्बर तक एथलेटिक्स, बैडमिंटन, बास्केटबॉल, हॉकी, तैराकी, टेनिस, फुटबॉल, तीरंदाजी, शूटिंग, मल्लखम्भ, साइकिलिंग में विभिन्न वर्गों में प्रतियोगिता आयोजित होंगी। अजमेर में 26 नवम्बर से 28 नवम्बर तक रग्बी खेल और खो-खो के प्रदर्शन मैच का आयोजन होगा। इसी प्रकार, उदयपुर में 25 नवम्बर से 4 दिसम्बर तक जूडोए बीच वॉलीबाल के साथ विशेष आकर्षण के रूप में केनोइंग और कयाकिंग वाटर स्पोर्ट्स में युवा अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

युवा जोश से भरे इन खेलों में 25 नवम्बर से 5 दिसम्बर तक कबड्डी और भारोत्तोलन का आयोजन बीकानेर में होगा। वहीं, जोधपुर में 25 नवम्बर से 3 दिसम्बर तक योगासन और टेबल टेनिस के खेल में युवा खिलाड़ी अपना कौशल दिखाएंगे। कोटा में 25 नवम्बर से 4 दिसम्बर तक तलवारबाजी और वॉलीबॉल के खेल का आयोजन होगा। इसी प्रकार, भरतपुर में 25 नवम्बर से 5 दिसम्बर तक कुश्ती और बॉक्सिंग में युवा अपना दमखम दिखाएंगे।

प्रदेश के प्रमुख संभाग स्तरीय 7 शहरों में खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स-2025 में देश के लगभग 5 हजार खिलाड़ियों सहित 7 हजार से ज्यादा प्रतिभागी शामिल होंगे।

नगर निगम ने बेघर, आश्रयहीन लोगों के लिए सर्दी से बचाव हेतु शुरू किए अस्थायी आश्रय स्थल रैन बसेरे

ब्यूरो चीफ रविसिंह किरार (विवि)/ परिष्कार पत्रिका

जयपुर। नगर निगम जयपुर क्षेत्र में बेघर, अनाथ आश्रयहीन लोगों को सर्दी से बचाव हेतु आश्रय प्रदान करने के लिए नगर निगम द्वारा कुल 14 स्थानों पर अस्थाई आश्रय स्थल रैन बसेरा बनाए गए हैं। नगर निगम आयुक्त डॉ गौरव सैनी ने बताया कि सर्दी के प्रारंभ को देखते हुये 15 नवंबर से अस्थायी आश्रय स्थल शुरू कर दिये गये है। शेष आश्रय स्थल 1 दिसंबर से प्रारंभ कर दिये जायेगे। संबंधित जोन उपायुक्त अस्थायी एवं स्थायी आश्रय स्थलों के प्रभारी होगे। इन रैन बसेरों के अंतर्गत 1 आदर्श नगर जोन में ट्रांसपोर्ट नगर पुलिया के नीचे, 2 सिविल लाइन जोन में खासा कोठी पुलिया के नीचे, 3 सिविल लाइन जोन परमानंद हॉल सहकर मार्ग सी स्कीम, 4 सिविल लाइन जोन में हसनपुरा पुलिया के नीचे एवं 5 स्टेट कैंसर संस्थान प्रताप नगर सांगानेर जोनए 6 रामनिवास बाग के पीछे सुलभ शौचालय के पास मालवीय नगर जोन, इन स्थानों पर बनाये गये रैन बसेरे 15 नवंबर से प्रारंभ हो गए हैं।

मुख्य सचिव ने एसएमएस ट्रोमा सेंटर का निरिक्षण किया

सड़क हादसों में जीवन रक्षा के लिए जल्द बनेगा प्रभावी एक्शन प्लान, ट्रॉमा केयर पॉलिसी बनाई जाएगी

प्रदेशभर के ट्रोमा सेंटर्स का होगा सुदृढ़ीकरण

ब्यूरो चीफ (विवि)/ परिष्कार पत्रिका

जयपुर। प्रदेश में सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी रोकथाम एवं सड़क हादसों में जीवन रक्षा के लिए एक प्रभावी एक्शन प्लान तैयार किया जाएगा। ट्रॉमा केयर पॉलिसी बनाई जाएगी एवं लेवल-1 एवं लेवल-2 ट्रोमा सेंटर्स का मिशन मोड में सुदृढ़ीकरण किया जाएगा। राज्य सरकार जल्द ही इसके लिए पूरा रोड मैप तैयार करेगी, ताकि सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली जनहानि को न्यूनतम किया जा सके।

मुख्य सचिव वी श्रीनिवास ने सवाई मानसिंह अस्पताल के ट्रोमा सेंटर के निरीक्षण के दौरान इस संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित कमेटी के दिशा-निर्देशानुसार प्रदेश में सड़क सुरक्षा से संबंधित सभी पहलुओं पर गहन अध्ययन एवं निरीक्षण कर रिपोर्ट तैयार की जा रही है। इस रिपोर्ट के आधार एक प्रभावी एक्शन प्लान तैयार कर आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

जीवन रक्षक उपकरणों एवं मानव संसाधन की समुचित उपलब्धता सुनिश्चित होगी- मुख्य सचिव ने कहा कि प्रदेशभर में सड़क हादसों के दौरान त्वरित उपचार उपलब्ध करवाने के लिए ट्रोमा सेंटर्स में सुविधाओं को और बेहतर बनाया जाएगा। ट्रोमा सेंटर्स में पर्याप्त संख्या में आईसीयू बेड्स, जीवन रक्षक उपकरण, जांच एवं दवाओं की समुचित उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही, रोगी भार के अनुपात में पूर्णतः प्रशिक्षित चिकित्सक एवं नर्सिंग स्टाफ की उपलब्धता के प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने इस संबंध में अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश भी दिए।

प्रशिक्षणार्थियों से किया संवाद - मुख्य सचिव ने ट्रोमा सेंटर में आपातकालीन कक्ष, आईसीयू एवं वार्ड में जाकर उपलब्ध सुविधाओं और उपचार की प्रक्रिया को बारीकी से देखा और रोगियों एवं उनके परिजनों से भी संवाद कर फीडबैक लिया। साथ ही, ट्रोमा सेंटर में संचालित बीएलएस ट्रेनिंग सेंटर का भी निरीक्षण किया तथा यहां प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रतिभागियों से संवाद किया।

बेस्ट प्रैक्टिसेज को प्रदेशभर में किया जाएगा लागू - मुख्य सचिव ने कहा कि सवाई मानसिंह अस्पताल का ट्रोमा सेंटर लेवल.1 श्रेणी का है। यहां के प्रशिक्षण केंद्र में चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ सहित अन्य व्यक्तियों को प्रभावी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस ट्रोमा सेंटर सहित देशभर में सड़क सुरक्षा एवं जीवन रक्षा के लिए अपनाई जा रही बेस्ट प्रैक्टिसेज को प्रदेशभर में लागू किया जाएगा। प्रदेश के अन्य ट्रोमा सेंटर्स को भी अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस करने के प्रयास किए जाएंगे, ताकि गोल्डन ऑवर्स में घायलों का जीवन बचाया जाना और अधिक सुगम हो सके।

ट्रोमा सेंटर्स की स्थिति के बारे में ली जानकारी : निरीक्षण के उपरांत मुख्य सचिव ने अधिकारियों के साथ बैठक कर एसएमएस अस्पताल के ट्रोमा सेंटर में मरीज भार, उपलब्ध संसाधनों एवं मानव संसाधन के बारे में विस्तार से जानकारी ली। साथ ही, प्रदेश के अन्य ट्रोमा सेंटर्स की स्थिति के बारे में भी जानकारी ली।

अब तक 8 हजार को बीएलएस प्रशिक्षण - प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य तथा चिकित्सा शिक्षा गायत्री राठौड़ ने ट्रोमा सेंटर में उपलब्ध सुविधाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यहां संचालित स्किल लैब देश की ऐसी पहली लैब है, जहां सड़क दुर्घटना के दौरान घायलों को बेसिक लाइफ सपोर्ट देने का निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाता है। अब तक यहां पर 8 हजार से ज्यादा प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है, ताकि वे आपातकाल के शुरुआती चरणों में सहायता कर सकें। उन्होंने बताया कि 2500 से ज्यादा डॉक्टर तथा नर्सिंग ऑफिसर को भो इसकी ट्रेंनिग दी जा चुकी है।

13 नए बीएलएस प्रशिक्षण सेंटर बनाए जा रहे - शासन सचिव, परिवहन शुचि त्यागी ने बताया कि जल्द ही राजस्थान में 13 बीएलएस ट्रेनिंग सेंटर बनाए जा रहे है, जिससे सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मृत्यु दर में कमी आएगी। ट्रोमा सेंटर के नोडल अधिकारी डॉ बीएल यादव एवं उप अधीक्षक डॉ जगदीश मोदी ने सेंटर में उपलब्ध संसाधनों के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

इस दौरान सार्वजनिक निर्माण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव प्रवीण गुप्ता, डीजीपी ट्रैफिक अनिल पालीवाल, मिशन निदेशक एनएचएम डॉ अमित यादव, चिकित्सा शिक्षा आयुक्त नरेश गोयल, निदेशक जन स्वास्थ्य डॉ रवि प्रकाश शर्मा, सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज के अतिरिक्त प्रधानाचार्य डॉ राकेश जैन सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

धौलपुर में डिजिटल लाइब्रेरी का उद्घाटन, शिक्षा शक्ति से ग्रामीण विकास को नई दिशा

ब्यूरो चीफ रविसिंह किरार (विवि)/ परिष्कार पत्रिका

धौलपुर। धौलपुर जिले के कछपुरा आंगई में आईआईएफसीएल एवं जिला परिषद धौलपुर के सहयोग से ग्रामीण डिजिटल लाइब्रेरी के निर्माण कार्य का शुभारंभ हुआ। यह पहल विकसित भारत के विज़न को ग्रामीण विकास के माध्यम से साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैए जिसमें शिक्षा को आधार स्तंभ माना गया है। कार्यक्रम में आईआईएफसीएल के प्रबंध निदेशक पलाश श्रीवास्तव ने कहा कि ग्रामीण भारत ही हमारे देश की असली ताकत है। यदि गांवों के बच्चे डिजिटल लाइब्रेरी से जुड़ जाएँ तो वे किसी भी बड़े शहर के बच्चों से कम नहीं रहेंगे। उन्होंने इस बात पर विशेष जोर दिया कि पढ़ाई और तकनीक तक बराबर पहुंच हर बच्चे का अधिकार है। उन्होंने सड़क सुरक्षा पर विशेष जोर देते हुए कहा कि हमारे युवा नियमों का पालन कर सड़क दुर्घटनाओ बचे और दूसरो को भी जाग्रत करें। हेलमेट, सीट बेल्ट और सड़क के नियमों का पालन कर हम सड़क दुर्घटना कम कर सकते है। श्रीवास्तव ने आगे कहा कि शिक्षा सिर्फ किताबों तक सीमित नहीं है बल्कि यह नए अवसरों की कुंजी है। डिजिटल लाइब्रेरी का उद्देश्य गांव के हर बच्चे, खासकर लड़कियों को वह मंच देना है, जहाँ से उनका सपना ऊँचाई छू सके। हम चाहते हैं कि यह लाइब्रेरी सिर्फ पढ़ने की जगह नहीं बल्कि बच्चों के सपनों को उड़ान देने का केंद्र बने।

आईआईएफसीएल जिला परिषद के साथ साझेदारी करके धौलपुर जिले के कई गांवों में ऐसी आधुनिक डिजिटल लाइब्रेरी स्थापित कर रहा है, जिनमें कंप्यूटर लैब, डिजिटल टीवी, वाई-फाई, आरामदायक फर्नीचर सहित बच्चों के विकास हेतु कॅरियर काउंसलिंग के साथ कई सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएंगी। जिला परिषद सीईओ आव्हाद निवृत्ति सोमनाथ ने इस परियोजना को ग्रामीण शिक्षा में एक नई क्रांति बताते हुए कहा कि यह डिजिटल लाइब्रेरी संविधान घर के नाम से जानी जाएगी, जिससे ग्रामवासियों में संवैधानिक मूल्यों के प्रति समझ, डिजिटल इंडिया में सहभागिता, जनभागीदारी के साथ सामुदायिक स्वामित्व की भावना, रोज़गार और कौशल विकास में मदद, शैक्षिक गुणवत्ता में सुधार जिससे ग्रामीणों के जीवन में भविष्य में दूरगामी स्थायी बदलाव देखने को मिलेंगे।

इस मिशन का उद्देश्य जनकृभागीदारी के साथ महिलाओ और छात्राओं को सशक्त बनाना है। लड़कियां भी अपने गांव में दूसरी लड़कियों के लिए आदर्श बनेगी, जो गांव से देश-प्रदेश का नाम रोशन करेंगी।

कार्यक्रम में जिला परिषद से पवन कुमार, गौरव सिंघल, ऐश्वर्य मुद्गल एवं आईआईएफसीएल की ओर से सुबोध शर्मा, विकास अधिकारी गिर्राज, रामलखन मीणा, किशन सिंह, धर्मेंद्र, समीप की अनेक ग्राम पंचायतों के गणमान्य, युवा तथा विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई।

सेंट जेवियर्स स्कूल नेवटा जयपुर में किया गया वार्षिक खेलोत्सव इम्पेटस-2025 का भव्य आयोजन

जूनियर्स स्पोर्टस डे-2025 में उत्साह, उमंग अनुशासन और तालमेल का शानदार प्रदर्शन

ब्यूरो चीफ रविसिंह किरार / परिष्कार पत्रिका

जयपुर। सेन्ट ज़ेवियर्स स्कूल, नेवटा के प्राइमरी विंग में ''जूनियस स्पोर्टस डे 2025'' 22 नवम्बर 2025 को उत्साह, उमंग और अनुशासन के गरिमामय वातावरण में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम की भव्य शुरूआत मुख्य अतिथि एमेरिटस बिशप ऑसवल्ड लुइस तथा विशिष्ट अतिथि डॉ वरून पुरोहित के आगमन से हुई। कार्यक्रम में विद्यालय की प्रधानाध्यापिका सिस्टर लीडा डिसूज़ा, एस.सी.सी.ई ने प्रेरक स्वागत संबोधन

प्रस्तुत किया। इसके बाद स्कूल ध्वज आरोहण और ऊर्जा से भरपूर स्कूल चीयर सॉन्ग ने पूरे समारोह में उत्साह का संचार कर दिया। इसके उपरांत नन्हे बच्चों ने आकर्षक मार्च-पास्ट एवं परेड निरीक्षण में अद्भुत अनुशासन और तालमेल का प्रदर्शन किया। मुख्य अतिथि के प्रेरणादायक संदेश के बाद ''इम्पेटस'-जूनियस स्पोर्टस डे का औपचारिक शुभारंभ किया गया।

खेल प्रतियोगिताओं का आरंभ विभिन्न रोचक गतिविधिओं के साथ हुआ, जिनमें सेव वाटर रेस, रोल द बॉल रेस, सॉक्स एंड शूज़ रेस, फ्लैग रेस आदि छोटे बच्चों द्वारा अत्यंत उत्साह के साथ प्रस्तुत की गई। विद्यार्थियों की फूर्ती रचनात्मकता और टीम भावना देखते ही बनती थी। कक्षा 3, 4 और 5 के विद्यार्थियों ने 50 मीटर एवं 75 मीटर फ्लैट रेस, हूप डॉप रेस, क्रेजी कोन बडीज़ रेस, बैसेंस बडी रेस तथा क्लच टुगेदर रेस जैसी टेक प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर उपस्थित सभी दर्शकों को प्रभावित किया। प्रत्येक प्रतिभागी के चहरे पर खेल के प्रति जुनून और जीत का जज़्बा साफ झलक रहा था।

मनोरंजक कार्यक्रम में सिल्वर स्टिंग्स बैंड डिस्प्ले तथा टाइनी ट्विरल्स (कक्षा 1 एवं 2) की नन्ही प्रस्तुतियों ने दर्शकों से भरपूर सराहना बटोरी। कक्षा 4 की रिदमिक योग प्रस्तुति ने भारतीय परंपरा, संतुलन ओर एकाग्रता का सुन्दर संदेश दिया, जबकि कक्षा 3 का उत्साहपूर्ण 'बीट ऑफ ब्रीलीयंट डांस पूरे मैदान का क्रेंद्र बिंदू बना रहा। विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार वितरण समारोह में सम्मानित किया गया। इसके साथ ही अभिभावकों, शिक्षकों और ग्राउंड स्टाफ की विशेष रेस ने कार्यक्रम में हास्य, सहभागिता और सौहार्द का वातावरण बना दिया। विद्यालय की कोऑर्डिनेटर तृप्ति प्रेमी ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। समारोह का समापन राष्ट्रगान के साथ गरिमापूर्ण रूप से हुआ। पूरे आयोजन ने यह प्रमाणित किया कि जब विद्यालय प्रबंधन, शिक्षक, अभिभावक और

विद्यार्थी एक साथ मिलकर कार्य करते हैं, तो प्रयास उत्सव में बदल जाते हैं और सीख आनंद में। प्राइमरी विंग स्पोर्टस डे 2025 विद्यालय के सामूहिक समर्पण, उत्कृष्ट योजना और टीमवर्क का एक स्मरणीय उदाहरण बन गया। यह सम्पूर्ण कार्यक्रम विद्यालय के दूरदर्शी एवं प्रेरणादायी नेतृत्वकर्ता प्रधानाचार्य फादर संगीत राज, एस.जे. के कुशल मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

15नवम्बर को आयोजित हुआ वार्षिक खेलोत्सव इम्पेटस-2025 सीनियर्स का भव्य आयोजन

ब्यूरो चीफ रविसिंह किरार/ परिष्कार पत्रिका

जयपुर। इससे पूर्व शनिवार, 15 नवम्बर 2025 को बड़े उत्साह और उल्लास के साथ सेन्ट ज़ेवियर्स स्कूल, नेवटा के प्रांगण में वार्षिक खेलोत्सव 'इम्पेटस' 2025 का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एयर कमोडोर सम्पथ कुमार आनंद उपमहानिदेशक एनसीसी थे। विशिष्ट अतिथि फादर सूसई मानि एसजे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्रिंसिपल फादर संगीथराज ने की।

कार्यक्रम का शुभारम्भ मशाल प्रज्जवलन के साथ हुआ, जिसके पश्चात विद्यालय की पताका एवं चारों सदनों की पताकाएँ फहराई गई। विद्यार्थियों ने अनुशासित मार्च पास्ट द्वारा अपने सदनों का प्रतिनिधित्व करते हुए अतिथियों को सलामी दी। परेड में सम्मिलित समस्त टुकड़ियों का नेतृत्व सभी बालिकाओं ने किया। बालिकाओं को प्रोत्साहन देने का विद्यालय की ओर से यह एक सराहनीय प्रयास था।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एयर कोमोडोर सम्पथ कुमार आनंद, उप महानिदेशक, एन.सी.सी., राजस्थान निदेशालय का सेवा रिकॉर्ड उनके जुनून, निर्णायक दृष्टिकोण, नैतिक ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा का परिचायक है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि, फादर सूसई मानि, एस.जे. प्रोविंशियल सुपीरियर, दिल्ली प्रोविंस के आगमन से पूरा वातावरण गौरव और प्रेरणा से भर उठा। विद्यालय परिवार ने इनका हार्दिक स्वागत किया।

प्रधानाचार्य, फादर संगीत राज, एस.जे. ने स्वागत भाषण देते हुए मुख्य अतिथि एवं सभी गणमान्य अतिथियों का अभिनंदन किया। उन्होंने विद्यार्थियों को खेलों के माध्यम से अनुशासन, टीम स्पिरिट और आत्मविश्वास जैसे गुणों को विकसित करने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में सभी अतिथियों को पुष्पगुच्छ और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। विद्यालय के बैंड, सिल्वर स्ट्रिंग, ने अपनी मनमोहक धुनों से वातावरण में उत्साह और देशभक्ति का संचार किया। कक्षा 6 से 12 तक के विद्यार्थियों ने पिरामिड, जुम्बा एवं योग पर आधारित आकर्षक गतिविधियों से सभी का मन मोह लिया। विभिन्न वर्गों के विद्यार्थियों के लिए उपयुक्त आयु वर्ग के अनुसार दौड़ प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई। साथ ही अभिभावकों एवं विद्यालय स्टाफ के लिए भी मनोरंजक प्रतियोगिताएँ रखी गईं। दर्शकों ने सभी प्रतिभागियों को उत्साहवर्धन तालियों के गड़गड़ाहट से किया। विजेताओं को टॉफी एवं मेडल प्रदान किए गए। बेस्ट हाउस, की उपाधि रेड हाउस को तथा बेस्ट डिसिप्लिन हाउस की उपाधि भी रेड हाउस को दी गई। पहला रनर्स अप ब्लू हाउस रहा। कार्यक्रम का समापन राष्ट्र के साथ हुआ। विद्यालय की एकेडमिक कोऑर्डिनेटर अनीता जयदेवन ने सभी अतिथियों, अभिभावकों, विद्यार्थियों तथा स्टाफ सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के दिशा में सशक्त कदम है।

-: OUR ACTIVITIES :-

ST. XAVIER'S SCHOOL, NEVTA

A Christian Minority Jesuit Institution I Affiliated to CBSE New Delhi - Affiliation No. : 1730818
Nevta-Mahapura Road, Jaipur - 302029 Rajasthan I Website : www.stxaviersschoolnevta.in
Ph : +91 8890531185 I E-Mail : Stxaviersnevta@gmail.com

FACILITIES & AMENITIES :

2 AI (Artificial Intelligence) Labs, Chemistry Laboratory, Biology Laboratory, Physics Laboratory, Information and Tech. Laboratory, Interactive Flat Screen Panel in all the Class Rooms, Language Laboratory, 2 E-Libraries, Computer Labs, Counselling Sessions, Wellness Centre, Transport Facility, Canteen Facility

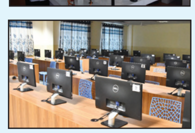

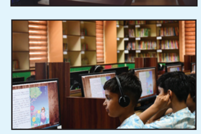

ACTIVITIES :

NCC (Air Wing), Scouts and Guides, School Band, Music & Dance, Art & Craft, Dramatics, Quiz and Debte, MUN's, Summer Camp, Multiple Sports

For Further Details : Please Contact the School Office,
There are only Two St. Xavier's School run by Jesuit Fathers in Jaipur. One in C-Scheme & One in Nevta

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक, मुद्रक और संपादक रवि सिंह किरार द्वारा एम बी प्रिन्टर्स डिग्गी हाऊस, एफ 76 करतापुरा औद्योगिक क्षेत्र, जयपुर से मुद्रित तथा 89, संतोष नगर, अजमेर रोड़, जयपुर से प्रकाशित। फोन नं. 9314407796 parishkarpatrika@gmail.com
www.parishkarpatrika.com, www.parishkarpatrika.page प्रधान संपादक हेमलता किरार तथा सलाहकार श्रवण सिंह किरार, विजय सिंह किरार, प्रचार एवं प्रसार प्रबंधक डी कुमार चित्र, शायर सिंह किरार, अंशुल किरार 8764400196 Whatsup